छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के मुताबिक, **छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा** में एक मिलिशिया प्लाटून सेक्शन कमांडर और तीन महिलाओं समेत **18 नक्सलियों** ने आत्मसमर्पण कर दिया।

मुख्य बिंदु:

- वे दक्षिण बस्तर में **माओवादियों की भैरमगढ़ और मलंगेर क्षेत्र समितियों** का हिस्सा थे।
- सूत्रों के मुताबिक, इन कैडरों को सड़कें खोदने, सड़कों को अवरुद्ध करने के लिये पेड़ काटने और **नक्सलियों** द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान पोस्टर तथा बैनर लगाने का कार्य सौंपा गया था।
    - उन्हें **सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति** के तहत सुविधाएँ मुहैया कराई जाएंगी।
    - इसके साथ ही दंतेवाड़ा ज़िले में अब तक 177 इनामी नक्सली सहित 738 नक्सली मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं।
- सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद (LWE) प्रभावित ज़िलों में नक्सलियों पर सख्त प्रवर्तन उपाय लागू किया है।

वामपंथी उग्रवाद (LWE)

- यह उन राजनीतिक विचारधाराओं और समूहों को संदर्भित करता है **जो क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से महत्त्वपूर्ण सामाजिक एवं राजनीतिक परिवर्तन का समर्थन करते हैं।**
- LWE समूह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिये **सरकारी संस्थानों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों या निजी संपत्ति** को निशाना बनाने जैसे कदम उठाते हैं।
- भारत में वामपंथी उग्रवादी आंदोलन की शुरुआत **वर्ष 1967 के पश्चिम बंगाल में** नक्सलबाड़ी (Naxalbari) के उदय के साथ हुई।
- **भारत में LWE की स्थिति:**
    - केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि **वर्ष 2010 की तुलना में वर्ष 2022 में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में 76% की कमी आई है।**
    - साथ ही, हिंसा के भौगोलिक प्रसार में भी कमी आई है क्योंकि **वर्ष 2010 में 96 ज़िलों** की तुलना में **वर्ष 2021 में केवल 46 ज़िलों में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित** हिंसा की सूचना मिली।

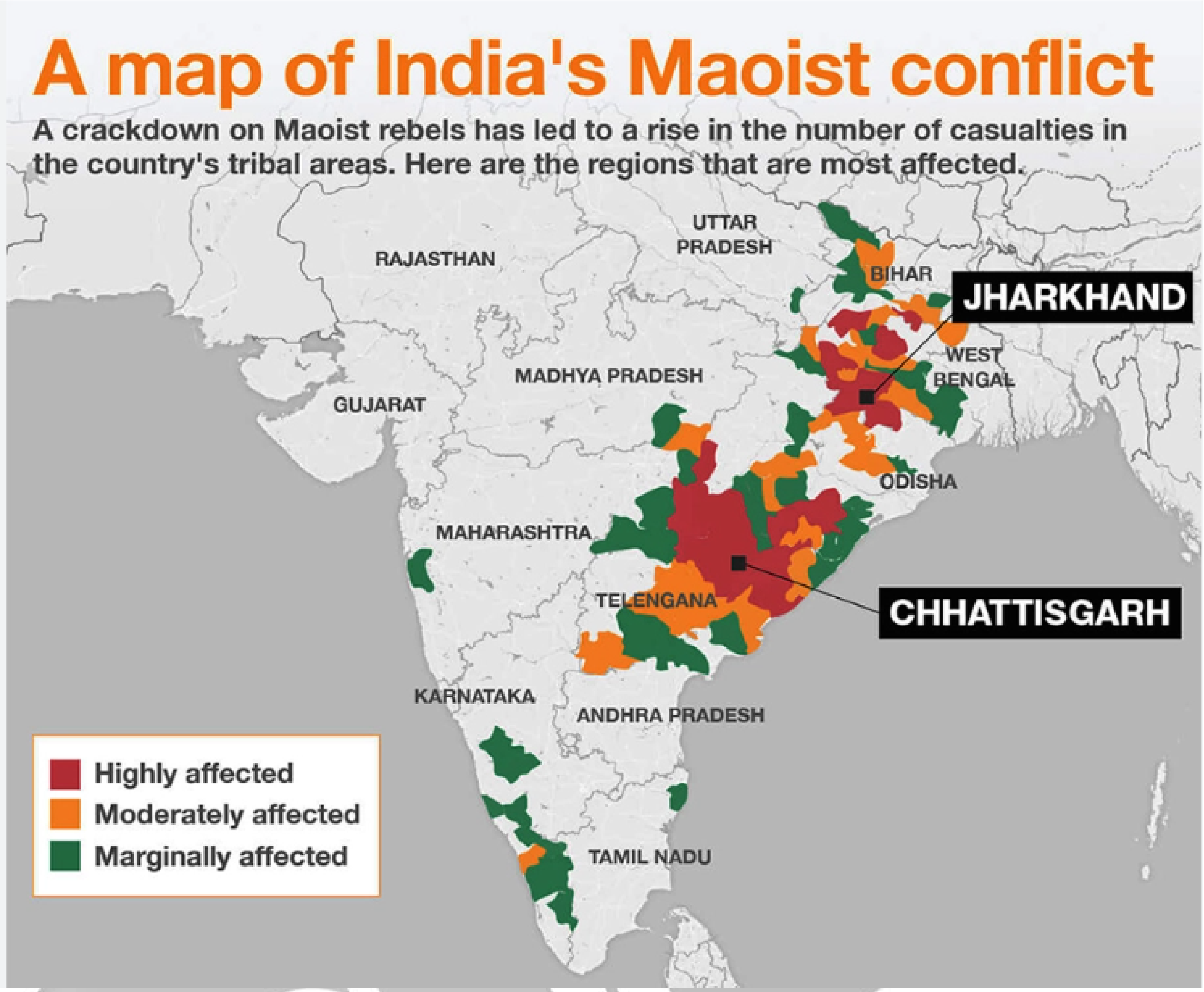

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/naxalites-surrender-in-chhattisgarh